राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान
माध्यमिक - अर्थशास्त्र (214)
पाठ 11: मूल्य और मात्रा का निर्धारण
कार्य पत्र - 11

1. एक वस्तु की एक इकाई के उत्पादन की कुल लागत रु. 45 है और एक उत्पादक द्वारा प्राप्त कुल आय 50 रुपये है। निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये -
   अ) लाभ की गणना के लिए सूत्र।
   ब) कुल आय और कुल लागत को परिभाषित कीजिये ।

2. किसी वस्तु की कीमत तय करते हुए एक विक्रेता का लक्ष्य अधिकतम लाभ अर्जित करना होता है। उन विभिन्न कारकों की पहचान कीजिये जो उस वस्तु की कीमत निर्धारित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

3. राम की आय समय के साथ बढ़ती जाती है। यदि वह अधिक मात्रा में वस्तुएं खरीदता है, तो संतुलन कीमत और मात्रा पर क्या प्रभाव पड़ेगा?

4. कीमत में वृद्धि से अधिक आपूर्ति की स्थिति पैदा होती है जबकि कीमत में गिरावट से बाजार में अधिक मांग की स्थिति पैदा होती है। इस अंतर के लिए उपयुक्त कारण लिखिए।

5. "बाजार में संतुलन कीमत और मात्रा की स्थिति उपभोक्ता के व्यवहार के साथ-साथ उत्पादक के व्यवहार के बीच समन्वय स्थापित करने के लिए मार्गदर्शक शक्ति के रूप में कार्य करती है" कथन की विवेचना कीजिए।

मूल्य	मांग की मात्रा	आपूर्ति की मात्रा
20	10	50
19	20	40
18	30	30
17	40	20
16	50	10

6. ऊपर दी गई अनुसूची के आधार पर, संतुलन कीमत और संतुलन मात्रा निर्धारित कीजिये। आरेख का प्रयोग कीजिये।

7. उपरोक्त तालिका के अनुसार जब कीमत 18 रुपये से 19 रुपये बढ़ जाती है या 18 रुपये से 17 रुपये घट जाती हैं, तो उपभोक्ता के व्यवहार और उत्पादकों के व्यवहार पर चर्चा कीजिये।

8. यदि आपूर्ति समान रहती है, तो संतुलन कीमत और मात्रा पर मांग में परिवर्तन के प्रभाव की चर्चा कीजिए।

9. यदि मांग समान रहती है तो आपूर्ति में परिवर्तन संतुलन कीमत और मात्रा को कैसे प्रभावित करता है? स्पष्ट कीजिये।

10. संतुलन कीमत और मात्रा के निर्धारण की अवधारणा संसाधनों के विवेकपूर्ण उपयोग का आधार कैसे प्रदान करती है? स्पष्ट कीजिये।